

जन्म दिन कैसे और क्यों ?

फ्रांसिसी दार्शनिक रेने देस्कार्तेस कहा करते थे कि – ‘मैं’ हूँ यह एक सत्य है इसलिए मेरा होना ही अपने आप में ईश्वर के होने का सबसे बड़ा प्रमाण है, दुसरे शब्दों में मेरा होना संसार की सबसे महत्वपूर्ण घटना है , क्योंकि मेरा घर , मेरा परिवार , मेरा समाज , मेरा सुख , और यहाँ तक कि मेरे लिए यह संसार भी तभी तक है जब तक मैं हूँ ! अपने खुद के होने को सम्पूर्ण रूप से जानने और मानने का त्यौहार है जन्म दिन , जन्म दिन मनाने का अर्थ होता है अपने आप को मानना . इतिहास साक्षी है कि जिन लोगों ने अपने आप को जाना , वे मानव से महामानव पुरुष से महापुरुष बनाते चले गए ! परन्तु आज विसंगति यह है कि हम खुद को भूल गए हैं घड़ी कि टिक-टिक के साथ मिनट पर मिनट , घंटे पर घंटे दिन पर दिन और अंततः साल दर साल बीत जाते हैं और इसी के साथ या हम अपने जन्म दिन को भूल चुके होते हैं या फिर कुछ जलती हुई मोमबत्तियां बुझाकर , कुछ दोस्तों के साथ मनोरंजन करके भूल जाते हैं , वास्तव में वैदिक परंपरा में जन्म दिन मनाने का निम्न उद्देश्य होता है -

१. अपनी आत्म शक्ति को जानना .
२. आने वाले नए वर्ष में स्वस्थ रहने के लिए आध्यात्मिक उपचार लेना.
३. पिछले वर्षों की अपेक्षा नए वर्ष में जीवन को और अधिक उर्जावान ढंग से जीना .

आद्य शक्ति माता जी मंदिर एक ऐसी व्यवस्था देना चाहता है जिसमें आप सभी अपने और अपने प्रिय परिजनों के जन्म दिन को वैदिक परंपरा से मनाये और अपने जीवन में से निराशा दुःख और अभाव को दूर करके आशा ,आनंद और सम्पन्नता के साथ निरोग और स्वाभिमान पूर्ण जीवन जियें .

वैदिक परंपरा के अनुसार जन्म दिन मनाने के कुछ महत्वपूर्ण परिचय निम्नवत हैं -

१. ज्योतिर्विज्ञान के द्वारा आपके जन्म समय के अनुसार अंतर ग्रहीय प्रभावों का अध्ययन करके , उनके शुभ प्रभावों में वृद्धि करना और अशुभ प्रभावों से बचाना , माध्यम यज्ञ और विशिष्ट मन्त्रों की आहुतियाँ !

२. पञ्च तत्त्वों का पूजन !

३. प्रेरक परामर्श !

यह हमारा एक विनम्र प्रयास है कि समस्त भारत वंशियों व मानव मात्र को भारतीय ऋषियों द्वारा बनाई गयी इस जन्म दिन की परंपरा से जोड़ें, इसके लिए आप सभी को मात्र इतना करना है कि आप अपना जन्म दिन , जन्म समय ,जन्म स्थान लिखकर मंदिर को पोस्ट कर दें और मंदिर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें !

जय माता दी